Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अध्याय-11 | ग्राम श्री | सुमित्रानंदन पंत

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. ग्राम श्री पाठ के अनुसार हरी-भरी फसलों की शोभा कैसी है?

(अ) मुलायम (ब) रेशमी
(स) मखमली (द) रूई जैसी

2. ग्राम श्री पाठ के अनुसार नीली-नीली कलियाँ किस पौधे की हैं?

(अ) मटर (ब) अरहर
(स) अलसी (द) सरसों

3. ग्राम श्री कविता के अनुसार धरती साँवली कैसे हो गई है?

(अ) सूखे पत्तों के कारण (ब) लताओं के कारण
(स) फसलों की हरियाली से (द) सूरज की किरणों से

4. सुमित्रानंदन पंत कविता के अनुसार अलसी की कली को कैसा बताया है?

(अ) पुखराज जैसी (ब) पन्ने जैसी
(स) नीलम जैसी (द) सोने जैसी

5. ग्राम श्री पाठ के आधार पर पीले और मीठे हो गए हैं।

(अ) खरबूजे (ब) पपीते
(स) आम (द) अमरूद

6. ग्राम श्री कविता के अनुसार, सरसों के फूलों से कैसी गंध आ रही है?

(अ) खट्टी-खट्टी (ब) मीठी
(स) तैलाक्त गंध (द) रोमांचित कर देने वाली

7. ग्राम श्री पाठ के अनुसार सुबह सूर्य की किरणों किसके समान लगती हैं?

(अ) रेशम की तार जैसी (ब) चाँदी की जाली के समान
(स) हीरे की कनी सी (द) सोने की जाली के समान

8. ग्राम श्री कविता के अनुसार लो हरित धरा से झाँक रही, नीलम की कली तीसी नीली पंक्ति में निहित अलंकार है—

(अ) रूपक (ब) अतिशयोक्ति
(स) मानवीकरण (द) उपमा

9. ग्राम श्री कविता के अनुसार प्रस्तुत कविता का स्वर है—

(अ) भक्ति (ब) ओज और वीरता
(स) प्रकृति प्रेम (द) देश-प्रेम

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App

10. सुमित्रानंदन पंत किस वाद के कवि थे?

(अ) छायावाद (ब) प्रगतिवाद

(स) रहस्यवाद (द) प्रयोगवाद

रिक्त स्थान :

11. ग्राम श्री पाठ के अनुसार फ़सलों के गहरे हरे रंग के कारण धरती का रंग _____ दिखाई देता है।

12. ग्राम श्री पाठ के आधार पर फसलों पर _____ लिपट गया है।

सत्य / असत्य

13. ग्राम श्री पाठ के अनुसार कवि ने कविता में सर्दी के आगमन का वर्णन किया है।

14. ग्राम श्री कविता के अनुसार टमाटर मखमली और लाल है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भाव स्पष्ट कीजिए—

हँसमुख हरियाली हिम-आतप
सुख से अलसाए-से सोए

16. नदी किनारे खड़े बगुलों का कवि ने बड़ा अनोखा वर्णन किया है। ग्राम श्री कविता के आधार पर लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. ग्राम श्री कविता के आधार पर बसंत ऋतु में फलों और सब्जियों पर बहार कैसी-कैसी है?

18. ग्राम श्री कविता के आधार पर खेतों में कौन-कौन से रंग किस-किस फ़सल में दिखाई दे रहे हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. ग्राम श्री कविता में कवि ने गांव को हरता जन मन क्यों कहा है?

20. ग्राम श्री कविता के आधार पर गंगा किनारे की चित्रात्मक छवि का अंकन कीजिए।

HOTS

21. ग्राम श्री कविता के आधार पर नीला आकाश अद्भुत क्यों दिखाई दे रहा है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

1. (स) मखमली।

2. (स) अलसी

3. (स) फसलों की हरियाली से।

4. (स) नीलम जैसी।

5. (द) अमरूद।

6. (स) तैलाक्त गंध।

7. (ब) चाँदी की जाली के समान।

8. (स) मानवीकरण।

9. (स) प्रकृति प्रेम

10. (अ) छायावाद।

11. **रिक्त स्थान :** श्यामल

12. **रिक्त स्थान :** सूरज की किरणें

13. **सत्य / असत्य :** असत्य

14. **सत्य / असत्य :** सत्य

15. हरियाली पर जब सर्दी की धूप पड़ती है तो ऐसा आभास होता है कि वह हँस रही है। सूरज की धूप भी नर्म और कोमल है। लगता है कि धूप और हरियाली दोनों आलस्य में भरकर सोये हुए है।

16. नदी किनारे खड़े बगुलों के विषय में कवि ने कहा है कि नदी किनारे खड़े बगुले अपने एक पैर को उठाकर सिर खुजलाते हैं तथा अँगुलियों की कंघी से अपनी कलँगी सँवारते हुए से प्रतीत होते हैं।

17. पेड़ों पर आडू, नींबू और अनार झूमने लगते हैं। अमरूद पक कर पीले और मीठे हो गए हैं। बेर सुनहरे दिखने लगे हैं, खेतों में हरी-हरी पालक लहलहाने लगती है तो वातावरण में धनिए की सुगंध फैलने लगी है। लाल रंग के मखमली टमाटरों से पौधे लद गए हैं। हरी मिर्चों के पौधे हरी-भरी थैली के समान दिखाई देने लगे हैं। बसंत ऋतु में फलों और सब्जियों की बहार देखने वाली होती है।

18. खेतों में नीले-पीले, सुनहरे रंग अलग से ही अपनी सुंदरता दिखाने लगते हैं। गेहूँ-जौ, अरहर और सनई पर सुनहरे रंग की बलियाँ लग गई हैं। सभी खेतों में पीली-पीली सरसों फैली हुई हरी-भरी धरती पर अलसी के पौधों पर नीली-नीली कलियाँ झाँकने लगी हैं। इस प्रकार सारी धरती रंग-बिरंगी दिखाई देने लगती है।

19. कवि ने गाँव को 'हरता जन मन' इसलिए कहा है, क्योंकि-

i. गाँव का वातावरण अत्यंत मनमोहक है। यहाँ प्रकृति का सौंदर्य सभी लोगों के मन को अच्छा लगता है।

ii. खेतों में दूर-दूर तक हरियाली फैली हुई है, ऐसा लगता है धरती ने हरे रंग की मखमली चादर ओढ़ रखी है।

iii. खेतों में गेंहू, सरसों, मटर आदि फसलें फल-फूल रही है।

iv. वृक्षों पर विभिन्न प्रकार के फल, आम के पेड़ों पर मंजरियां आने से वातावरण महक रहा है।

v. गंगा के किनारे तरबूजों की खेती तथा तालाब में तैरते पक्षी गाँव के सौंदर्य में चार चांद लगाते हैं।

vi. हरा-भरा गाँव पन्ना (मरकत) के समान सुंदर है इसीलिए कवि ने गाँव को 'हरता जन-मन' कहा है।

20. कवि ने बनारस और इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्त की थी जहाँ उसने गंगा नदी की शोभा को निकटता से देखा था, वहाँ की छवियाँ उस के मन में रची-बसी हुई थीं। वसंत ऋतु आने पर पेड़-पौधों और फसलों पर ही बहार नहीं आ जाती बल्कि जीव जंतु भी अपने भीतर परिवर्तन को अनुभव करते हैं। गंगा की धाराएँ हर पल तटों को नहलाती आगे बढ़ती जाती हैं और उनके आगे बढ़ने से साँपों जैसे निशान रेत पर छूट जाते हैं। धूप में सूखी रेत तरह-तरह के रंगों में चमकती है, दूर-दूर से बह कर आए घास-पात और तिनके तटों की रेत पर बिखर जाते हैं। किसान रेत भरे तटों पर ककड़ी, खरबूजे और तरबूज उगाते हैं। बगुले अपने पंजों रूपी कंघी से अपनी कलगियाँ संवारते हैं। सुरखाब पानी पर तैरते हैं और पुलिया पर मगरौठी सोई रहती है।

21. दूर तक खेतों में हरी-भरी फ़सलों की मखमली शोभा फैली हुई है। सुबह सूर्य की किरणें निकलने पर सारा वातावरण चाँदी के समान उजला दिखाई देता है। धूप निकलने पर फ़सलों का रंग और गहरा हरे रंग का हो जाता है। उस पर साफ़-स्वच्छ नीला आकाश झुका हुआ-सा दिखाई दे रहा है। आकाश का हरी-भरी फ़सलों से भरे खेतों पर झुका हुआ प्रतीत होना अद्भुत दिखाई देता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App